This question paper contains 2 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक .....

7713 **A**

M.A. (एम. ए.)/II Sem.

HINDI (हिन्दी)—Paper 203 (प्रश्न-पत्र 203)

(हिन्दी की आलोचना दृष्टियां)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक एम. ए. हिन्दी परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फार्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य हैं। वर्ग 'अ' (नियमित विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।

1. शुक्ल पूर्व हिन्दी आलोचना दृष्टि का परिचय दीजिए।

अथवा

महावीर प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि की विशेषताएं बताइए। 20

2. रामचन्द्र शुक्ल की रसवादी आलोचना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

[P.T.O.

अथवा

"साहित्य जनता की चित्तवृत्ति का संचित प्रतिबिम्ब है।" इस उक्ति के आधार पर आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना का मूल्यांकन कीजिए। 20

3. "साहित्य केवल बुद्धिविलास नहीं है।" इस उक्ति के आधार पर हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

नन्ददुलारे वाजपेयी की साहित्यिक मान्यताओं का उद्घाटन कीजिए। 20

4. मार्क्सवादी आलोचना दृष्टि के विकास में रामविलास शर्मा के योगदान पर प्रकाश डालिए।

अथवा

"नामवर सिंह प्रगतिवादी आलोचक हैं।" विचार कीजिए। 20

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) प्रेमचन्द की साहित्यिक मान्यताएं;

(ख) प्रसाद की साहित्य दृष्टि;

(ग) नगेन्द्र की आलोचना सम्बन्धी मान्यताएं;

(घ) विजय देव नारायण साही की आलोचना दृष्टि। 10, 10